प्रेस वज्ञप्ति 03.11.2023

मर्चेंट्स चैम्बर की कानपुर की ब्रांड बिल्डिंग हेतु एक नयी पहल

आज दिनांक 3 नवंबर 2023 समय अपरान्ह 3:00 बजे मर्चेंट चैंबर आफ उत्तर प्रदेश की वूमेन एंटरप्रेन्योर और स्टार्टअप कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में परम्पराओं का संरक्षण एवं खोये हुये इतिहास को भविष्य के रूप में को पुनः जागृत करने (Reigniting UP : Preserving Traditions, Creating Futures) पर एक परस्पर संवादत्मक सत्र आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम को मुख्य अतिथि श्री पार्थो कार, मुख्य सलाहकार, बिस्वा बांग्ला, पश्चिम बंगाल सरकार, द्वारा कानपुर / उत्तर प्रदेश की ब्रांड बिल्डिंग पर संबोधित किया गया।

श्री अभिषेक सिंहानिया ने अपने सम्बोधन में बताया कि कानपुर के जन साधारण तथा व्यापारिक हित में एअरपोर्ट की नाईट लैन्डिंग सुविधा प्रदान करवाने, कानपुर देहात का नाम कानपुर ग्रेटर करवाने के संबंध में माननीय मुख्यमंत्री जी, उत्तर प्रदेश, को ज्ञापन प्रेषित करने तथा अब कानपुर अतीत के विरासत, भविष्य का उद्देश्य की ओर मर्चेन्ट्स चैम्बर ऑफ उत्तर प्रदेश का अगला कदम जिसके अंतर्गत कानपुर / उत्तर प्रदेश ब्रान्ड बिल्डिंग को विशेष रूप से अन्वेषित किया गया है, पर आज का यह सत्र आधारित है। श्री सिंहानिया जी ने बताया कि कानपुर के भावी सम्भावनाओं को तलाशने, तराशने और रोजगार तथा व्यापार की उन्नति एवं उत्थान हेतु वह राज्य सरकार के लगातार के सम्पर्क में जो कानपुर की समृद्धता को पुनः वापस प्राप्त करवाने के लिए पूर्णतया सक्रिय है। श्री सिंहानिया जी ने सूचित किया कि श्री पार्थो कर द्वारा सम्बोधित किया जायेगा। श्री पार्थो जी बिस्व बांग्ला परियोजना जैसे कई अन्य परियोजनाओं पर कार्य कर चुके है। आप अपने आप में बहुमुखी प्रतिभा के धनी है, कई राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ कार्य कर चुके है, इनका थ्री डी मेटल प्रिंटिंग में विशेष अनुभव है तथा टेक्सटाईल सेक्रेटरी भारत सरकार द्वारा अभिज्ञातित है।

श्री पार्थो कार ने अपनी परम्पराओं का संरक्षण एवं खोये हुये इतिहास को भविष्य के रूप में को पुनः जागृत करने समबन्धी विषय पर पावर-पॉइंट प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत व्याख्यान दिया, जिसके कुछ प्रमुख बिंदु निम्नलिखित है: उन्होंने बताया कि:

- जब भी हम ब्रांड बिल्डिंग एक्सरसाइ की बात करते हैं तो वह हमारे पूर्वजों से शुरू होती है सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहरों उसे जगह के व्यापारिक एवं समुदाय हित, रोजगार सुरक्षित करने जैसे कई अन्य लघु बृहद तथा व्यापक मुद्दों से जुड़ी होती है जो क्षेत्रीय तथा राज्य दोनों स्तरों पर हमारे कल आज और कल को सुद्रण करती और यही हमारा ब्रांड कहलाता है।
- हमारा गांव हमारे शहर में स्थानांतरित हो चुका है या यू कहे की हमारे गांव में हमारा शहर रच बस गया है, जिसको हमें पृथक करने की आवश्यकता है। समस्त सुविधाओ को जो शहर में उपलब्ध है जैसे बिजली, पानी, सड़क, रोजगार को गांव में उपलब्ध करवाना होगा ताकि उनका पलायन शहरों में रख सके और हम अपनी पूर्वजों की धरोहरों को संजो के रख सके।
- - जब बंगाल की मुख्यमंत्री श्रीमती ममता बनर्जी ने उनसे विश्व बांग्ला प्रोजेक्ट पर कार्य करने के लिए आमंत्रित किया और कहा कि वह इस परियोजना पर वृहद स्तर पर राशि खर्च करने का प्रस्ताव रखा तो इस पर श्री पार्थ कार्ड जी ने कहा कि वह राशि खर्च करने की बजाय हमें इस बात पर कार्य करना होगा कि हम गांव को गांव में कैसे रख सकते हैं गांव की योग्यता को कैसे एक बाजार दे सकते हैं उनके उत्पादों को किस तरह से बेच सकते हैं जिसमें सरकार की पहल सर्वप्रथम आवश्यक है, तत्पश्चात प्राइवेट प्लेयर्स या उद्योग बंधु स्वतः प्रवेश करेंगे और जैसे-जैसे कारवां बढ़ता गया, इस प्रोजेक्ट की सफलता से कई उद्योग बंधु जुड़े और विश्व बांग्ला प्रोजेक्ट आज अपने आप में एक उदाहरण है।

- उन्होंने अपने एक विशेष अनुभव बताया कि वह किसी कार्यक्रम में तेलंगाना के किसी बड़े राजनेता से मिले और किसी विशेष बात पर बताया कि पुल्ला रेड्डी स्वीट्स जो कि आंध्र प्रदेश आधारित एक विशेष मिठाई निर्माता है जो की आंध्र प्रदेश की ब्रांडिंग करता हैं, उसी तरह हम तेलंगाना स्वीट्स के नाम से एक अलग स्वीट डिश बनाकर तेलंगाना मिठाई शॉप में तेलंगाना की ब्रांडिंग कर सकते है, जैसे जब हम कानपुर की बात करते हैं तो आज शायद हमारे मन में ठग्गू का लड्डू का नाम सर्वप्रथम आता है।
- हमें ब्रांड कानपुर के लिए शासनिक प्रयास के साथ पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल को जनता से लागू करना होगा जो छोटे शिल्पकारों को या अवसर देगी कि वह अपनी सृजनात्मक एवं कला को आमजन साधारण के मध्य ला सके।
- आप सभी को जानकर यह आश्चर्य होगा की कानपुर में लगभग 20 से अधिक पर्यटन स्थल है जिसे हमारा कानपुर वैसी भी शायद पूरी तरह से नहीं जानता होगा। ब्रांड बिल्डिंग कानपुर के लिए हम एक पूरी टूरिज्म पिच बना सकते हैं जिसमें हम लगभग एक हफ्ते का कार्यक्रम बनाएं और पर्यटकों को कानपुर की उन प्रसिद्ध चीजों को दिखाएं जिससे वह अनजान है या देख भी चुका है तो पूरी तरह से अवगत नहीं है। यह अपने आप में रिक्शा ड्राइवर, होटल, खाना बनाने जैसे अन्य छोटे छोटे उद्योगों से जुड़े लोगों के लिए रोजगार सृजित करेगा।
- कानपुर की ब्रांड बिल्डिंग की बात करें तो आज ठग्गू के लड्डू, कानपुर की सैडलरी व चमड़ा उद्योग को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली हुई है परंतु खोयी हुई चीजों में कानपुर का कपड़ा एवं वस्त्र उद्योग है। परंतु अब हमें मैनचेस्टर आफ ईस्ट का गौरव पुनः प्राप्त करने के लिए कानपुर की ब्रांड बिल्डिंग एक्सरसाइ की आवश्यकता है जो अपने आप में एक रोजगार सृजित कार्यक्रम भी होगा।
- यह सुझाव दिया गया कि हम सबको मिलकर कानपुर शॉपिंग फेस्टिवल लगभग एक सप्ताह के अवधि के लिए आयोजित करना होगा जिसमें कानपुर के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के लगभग 100 शिल्पकारों कारीगरों एवं गांव से जुड़े लघु स्तर के उद्योग बंधुओ को आमंत्रित करना होगा और जैसे-जैसे ब्रांड कानपुर / उत्तर प्रदेश की प्रसिद्ध फैलेगी वैसे वैसे हमारा कानपुर भी राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बन सकेगा। ब्रांड बिल्डिंग कानपुर / उत्तर प्रदेश से लगभग 10 लाख से अधिक क्षेत्रीय क्राफ्ट्समैन, (शिल्पकार), कारीगर (आर्टिसन्स) एवं समस्त समस्त उत्पादक बंधुओं को एकीकृत कर वेस्ट बंगाल की तर्ज एक प्रचलित मॉडल के अंतर्गत कानपुर / उत्तर प्रदेश की ब्रांड बिल्डिंग की एक्सरसाइज के तहत असीम सम्भावनाओं को अन्वेषित करते हुये क्रियान्वित किया जा सकता है।
- ब्रान्ड बिल्डिंग कानपुर के अन्तर्गत क्राफ्ट्समैन (शिल्पकार), कारिगरों आर्टिसन्स एवं समस्त समस्त उत्पादक बंधुओं को एक छत के नीचे लाकर एकीकृत करके हम व्यापक रूप से सामाजिक प्रभाव सृजित कर सकते है, जो ब्रान्ड कानपुर, उत्तर प्रदेश का कार्य करेगा।
- ब्रान्ड यू पी और कानपुर को सृजित करने के लिये हम विजन एवं मिशन दो भागों में विभाजित कर सकते है, जिसमें विजन के अन्तर्गत पर्यावरण सतत ब्रान्ड तथा परम्पराओं एवं सांस्कृतिक विरासत का लाभ उठाते हुये उत्तर प्रदेश के शिल्पकारों को एक साथ लाना होगा तथा मिशन के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश के शिल्पकारों, कारीगरों ग्राम औद्योगिकी एवं छोटे-छोटे उत्पादनकर्ताओं को प्रबल बनाना, उपभोक्ताओं को पारम्परिक, सांस्कृतिक, प्रामाणिक उत्पाद को पेश करना, रोजगार के तहत वित्तीय समावेशन, पुराने कला एवं शिल्पों का व्यवसायीकरण करके व्यापक प्रभाव सृजित करने आदि का कार्य किया जा सकता है, जिससे ब्रान्ड यू.पी./ कानपुर को बढ़ावा मिले।
- पावरप्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से छोटे शिल्पकारों एवं कारीगरों के लिए सरकार का सहयोग, प्रोडक्ट पोर्टफोलियो, सरकार के साथ पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप की धरातल पर क्रियान्वन की स्थिति, हथकरघा उद्योग को बढ़ावा देने, सप्लाई चैन का उपयोग करके हस्त निर्मित उत्पादों को आम जन तक पहुंचाने, माइक्रो लैंडिंग का उपयोग करने, जैसे कई अन्य मुद्दों मुद्दों को विस्तृत रूप से समझाया तथा इस बात पर जोर दिया कि उपरोक्त समस्त सेवाओं के साथ बिक्री के बाद की सेवा, जिसे हम आफ्टर सेल्स सर्विस कहते हैं, बहुत महत्वपूर्ण है।

- इस अवसर पर उन्होंने उत्तर प्रदेश की कुछ पारंपरिक हस्त निर्मित उत्पादों के नाम बताएं, जैसे प्रयागराज और बनारस में निर्मित मुंज के उत्पाद, मेरठ की कटलरी, मथुरा के वाद्य यंत्र एवं साँझी कला, बरेली की लकड़ी पर नक्काशी आदि कई ऐसे हस्त निर्मित उत्पाद है जिन्हें आज संजोने, संरक्षित करने तथा बढ़ावा देने की जरूरत है।

सत्र का संचालन मर्चेंट्स चैम्बर के सचिव श्री महेंद्र नाथ मोदी तथा घन्यवाद-ज्ञापन डॉ. आरती गुप्ता ने किया।

सत्र की व्यवस्थापिका श्रीमती वर्षा सिंहानिया, फिक्की फ्लो की श्रीमती नलिनी, श्री अतुल कनोडिया, श्री मुकुल टंडन, श्री विजय पंडित, श्री आर.के. अग्रवाल, श्रीमती मानसी लोहिया, श्री प्रेम मनोहर गुप्ता, श्री राकेश गर्ग, आदि उपस्थित थे।